विदेश में पढ़ाई या नौकरी के लिए अनिवार्य है डिग्री का सत्यापन

यूजीसी का आदेश- सभी यूनिवर्सिटी डिग्री के साथ दें वेरिफिकेशन रिपोर्ट

देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी ने पिछले सप्ताह लागू कर दी व्यवस्था

भास्कर संवाददाता | इंदौर

देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी सहित देशभर की 775 यूनिवर्सिटी के लिए यूजीसी ने आदेश जारी किया है। इसके तहत अब हर यूनिवर्सिटी को छात्र की डिग्री के साथ ही वेरिफिकेशन रिपोर्ट भी तत्काल ही तैयार करना होगी। इसे ई-मेल के जरिये या एक दस्तावेज पर जारी करना होगी। यही नहीं जिन छात्रों को आगे की पढ़ाई या जॉब के लिए विदेश जाना है, उन्हें डिग्री के साथ ही यह सर्टिफिकेट भी जारी करना होगा।

यूजीसी ने सभी यूनिवर्सिटी को इसके लिए निर्देश भेज दिए हैं। अकेले इंदौर में हर साल पांच हजार से ज्यादा छात्र विदेश में पढ़ाई या जॉब के लिए जाते हैं। इनमें दुनियाभर के कई देश शामिल हैं। इस फैसले को लागू करने के साथ ही यूजीसी ने सख्त हिदायत भी दी है कि जो यूनिवर्सिटी इसे लागू नहीं करेगी उनसे जवाब-तलब करेगी। ऐसा इसलिए भी किया जा रहा है, क्योंकि कई देशों से लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि डिग्री वेरिफिकेशन में ज्यादातर यूनिवर्सिटी प्रक्रिया का पालन नहीं करती। कई यूनिवर्सिटी जानबूझकर देरी से वेरिफिकेशन रिपोर्ट भेजती हैं।

वहां वेरिफिकेशन की प्रक्रिया बहुत जटिल है

दरअसल, दुनिया के किसी भी देश में जॉब या आगे की पढ़ाई के लिए डिग्री अनिवार्य तौर पर जमा कराना होती है, लेकिन एडमिशन देने वाला कॉलेज या जॉब देने वाली कंपनी डिग्री का वेरिफिकेशन करती है कि कहीं फर्जी डिग्री तो जमा नहीं करवाई गई, लेकिन उसके लिए प्रक्रिया बेहद जटिल है।

डाक से भेजते हैं फोटोकॉपी, ऑनलाइन प्रक्रिया में परेशानी

कॉलेज या कंपनियां यूनिवर्सिटी को डाक के जरिये छात्र की डिग्री की फोटोकॉपी भेजती हैं। इसमें 500 फीस भी देना होती है। यूनिवर्सिटी डिग्री की फोटोकॉपी के आधार पर अपने रिकॉर्ड से उसका वेरिफिकेशन करती है। स्टाफ की कमी के कारण इस प्रक्रिया में महीनाभर तक लग जाता है। ऐसे में कई बार दो से तीन माह में डिग्री का वेरिफिकेशन हो पाता है। कुछ कंपनियां और कॉलेज ई-मेल के जरिये भी वेरिफिकेशन कराते हैं, लेकिन इसमें भी 7 से 21 दिन तक लग जाते हैं।

क्यूआर कोड के जरिये विदेश में बैठे-बैठे सिर्फ दो मिनट में किया जा सकता है सत्यापित

देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी ने पिछले सप्ताह ही हिंदी-अंग्रेजी की डिग्री एक ही प्रमाण-पत्र पर देने की नई व्यवस्था लागू की है। इसमें महज 300 रुपए में हाई सिक्युरिटी डिग्री दी जा रही है। इसी डिग्री में हाई सिक्युरिटी कोड है। इसे क्यूआर कोड के जरिये विदेश में बैठे-बैठे ही महज दो मिनट में सत्यापित किया जा सकता है। सिर्फ कंप्यूटर पर छात्र का नाम, नामांकन नंबर दर्ज करना होगा। इसके साथ ही दो महज 120 सेकंड में डिग्री सत्यापित हो सकती है। डिप्टी रजिस्ट्रार प्रज्वल खरे का कहना है कि नई हाई सिक्युरिटी डिग्री के साथ ही हमने क्यूआर कोड के जरिये डिग्री सत्यापित करने का विकल्प दिया है। इसके बाद यह समस्या पूरी तरह खत्म हो जाएगी।